12– परिवहन व्यवस्था– संकामक रोगों की टीम के भ्रमण हेतु जिला संचारी नियंत्रण कक्ष में तीन वाहन लगाये गये है तथा सा0स्वा0के0/प्रा0स्वा0केन्द्रों पर परिवहन की व्यवस्था कर ली गयी है।

राजकीय नलकूप– जनपद बलिया में कुल 766 नलकूप सिंचाई हेतु कार्यरत हैं, जिसमें विद्युत उपलब्धता 8 से 10 घण्टे प्रतिदिन के आधार पर प्रति नलकूप फसल में 2 से 3 एकड़ प्रतिदिन सिंचाई होती है। एक नलकूप से लगभग औसत रूप से 15 से 20 एकड़ फसल की सिंचाई होती है। खड़ी फसल में जिसकी फसल धान है जो बलिया जिले के पश्चिम एवं पश्चिमोत्तर क्षेत्र में बोया जाता है, के सिंचाई हेतु खरीफ में पानी की आवश्यकता होती है। धान की फसल की सिंचाई मुख्यतः वर्षा एवं नलकूप से होती है। इस प्रकार 766 राजकीय नलकूप ठीक रहे तो लगभग 12400 हे0 क्षेत्रफल की सिंचाई की औसत सिंचाई की जा सकती है। लेकिन राजकीय नलकूपों के खराब होने की संख्या एवं विद्युत आपूर्ति अवधि में ट्रिपिंग एवं कम विद्युत आपूर्ति को देखते हुए लगभग 400 हे0 क्षेत्रफल में ही आश्वस्त सिंचाई संभव है।

फसल सिंचाई प्रबन्ध योजना– बलिया जनपद में चलित नलकूप की संख्या 766 है। मानसून अवधि में कम वर्षा होने के कारण सूखा की संभावित स्थिति से निपटने के लिए राजकीय नलकूपों के सुचारू रूप संचालन के लिए समस्त नलकूप आपरेटरों को अपने अपने नलकूपों पर उपस्थित रहने के निर्देश दिये जा चुके है। साथ ही समस्त अवर अभियन्ता एवं मिस्त्री आदेश दिया गया है कि वे अपने अपने क्षेत्रों में नलकूपों का निरीक्षण करते रहे जिससे नलकूप किसी भी खराबी से बंद न हो सके। सहायक अभियन्ता एवं अधिशासी अभियन्ता द्वारा नलकूपों का भ्रमण किया जा रहा है और विद्युत विभाग के अधिकारियों से पत्राचार कर अनुरोध किया गया है कि विद्युत खराबी में बंद नलकूपों की सूचना प्राप्त होते ही नलकूपों को तत्काल विद्युत खराबी से दोषमुक्त करें ताकि नलकूप बंद न हो सके।

पशुओं एवं जानवरों के पीने हेतु तालाब/पोखरे को भरे जाने की प्रबंध योजना– बलिया जनपद में सूखे की संभावित स्थिति को देखते हुए पशुओं एवं जानवरों को पानी पीने के लिए तालाब/पोखरे भरे जाने हेतु समस्त अवर अभियन्ताओं को निर्देश दिये जा चुके है कि वे अपने क्षेत्र के जिन नलकूपों से तालाब/पोखरे भरा जाना है उन नलकूपों की नाली की मरम्मत पाईप लाईन की मरम्मत एवं जानवरों को पानी पीने की समस्या दूर किया जा सके। साथ ही समस्त नलकूप चालकों को आदेश दिया जा चुका है कि वे अपने नलकूपों पर उपस्थित होकर नलकूपों का सुचारू रूप से संचालित करें।